Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 22

No. of Printed Pages – 7

SS–21–Hindi Sah.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2024

हिंदी साहित्य

समय : 3 **घण्टे** 15 **मिनिट**

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

Previous Pathshala

खण्ड – अ

प्र.1) निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए – [12 × 1 = 12]

i) ''धर्म के रहस्य की इच्छा प्रत्येक मनुष्य न करे, जो कहा जाए वही कान डालकर सुन ले।'' इसे समझाने के किसका दृष्टान्त दिया गया –

अ) घड़ी का ब) घड़े का

स) जीवन का द) मन का

ii) शेर किसकी मुद्रा में बैठा हुआ था?

अ) राम की मुद्रा ब) कृष्ण की मुद्रा

स) गौतम बुद्ध की मुद्रा द) महावीर की मुद्रा

iii) 'वसंत आया' कविता के रचनाकार हैं –

अ) केदारनाथ सिंह ब) रघुवीर सहाय

स) जयशंकर प्रसाद द) अज्ञेय

iv) 'भरत–राम का प्रेम' पाठ तुलसी की किस रचना से लिया गया है?

अ) विनयपत्रिका ब) कवितावली

स) गीतावली द) रामचरितमानस

v) भैरों को उकसाने और भड़काने में किसकी प्रमुख भूमिका थी?

अ) जगधर की ब) सुभागी की

स) मिठुआ की द) नायकराम की

vi) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ विश्वनाथ त्रिपाठी की आत्मकथा का अंश है –

अ) हिन्दी आलोचना का ब) नंगातलाई गाँव का

स) कब तक पुकारूँ का द) आवारा मसीहा का

vii) ''कोइयाँ वही जलपुष्प है, जिसे कुमुद कहते हैं।'' 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में इसका एक अन्य नाम है –

अ) कोका–बेली ब) कमल–ककड़ी

स) मसीण द) कमल–पत्र

viii) 'अपना मालवा खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' पाठ जनसत्ता के किस स्तंभ से लिया गया है?

अ) कागद मसी ब) अपना मत

स) कागद कारे द) मालवा दर्शन

ix) "दूसरी किसी विधा के लिए यह कतई जरूरी नहीं कि वह इसका सहारा ले लेकिन नाटक का इनके बिना काम नहीं चल सकता।"

उपर्युक्त कथन किसके लिए कहा गया है?

अ) कथ्य के लिए   ब) कल्पना के लिए

स) नायक के लिए   द) संवाद के लिए

x) "यह शैली कहानी या कथा लेखन की शैली के ठीक उलटी है, जिसमें क्लाइमेक्स बिलकुल आखिर में आता है।" इस शैली को कहते हैं –

अ) सीधा पिरामिड शैली   ब) उलटा पिरामिड शैली

स) विवरणात्मक शैली   द) सूचनात्मक शैली

xi) विशेष लेखन में डेस्क होता है –

अ) अलग–अलग विषय के समाचारों के लिए

ब) सामान्य जन समुदाय के लिए

स) व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए

द) राजनीतिक समाचारों के लिए

xii) हर्ष भोगले, जसदेव सिंह, नरोत्तमपुरी किस विशेष क्षेत्र के लिए जाने जाते हैं –

अ) राजनीति के समाचारों के लिए   ब) खेल समाचारों के लिए

स) शिक्षा व पर्यावरण के लिए   द) फिल्म व मनोरंजन के लिए

प्र.2) निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित उत्तर से कीजिए – [6 × 1 = 6]

i) .... काव्य का वह गुण है जिसके कारण वाक्य का अर्थ तुरन्त पढ़ने के साथ ही समझ में आ जाता है।

ii) जब अर्थ सहज ही समझ में न आए या जहाँ अर्थ को समझने के लिए मस्तिष्क पर बहुत जोर लगाना पड़ता है, वहाँ .... दोष होता है।

iii) यह मात्रिक विषम छंद है। दोहा और रोला छंदो के मेल से .... छंद बनता है।

iv) गीतिका के आरम्भ में .... जोड़ने पर हरिगीतिका बनता है।

v) जहाँ दोनों सामान्य या दोनों विशेष वाक्यों में बिम्ब प्रतिबिम्ब भाव होता है, वहाँ .... अलंकार होता है।

vi) .... में प्रकृति को मानवी रूप दिया जाता है तथा निर्जीव पदार्थों को मनुष्यों की तरह काम करते या सूख–दुख आदि भावों से पूरित और प्रभावित दिखाया जाता है।

Previous Pathshala

प्र.3) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **[6 × 1 = 6]**

विश्व के किसी भी देश के पास ऐसी भूमि और संसाधन नहीं हैं, जो उसे सब प्रकार से संपन्न बना सके। प्रत्येक देश को किसी न किसी आवश्यकता के लिए दूसरे पर निर्भर रहना पड़ता है। परिणामस्वरूप उसे दूसरे से दबना पड़ता है और अनिवार्य रूप से अवांछित समझौते करने पड़ते हैं। हमारी तो ऐसी कोई मजबूरी नहीं है। पिछले दिनों हम इसका प्रत्यक्ष अनुभव कर चुके हैं। परमाणु परीक्षण करने के पश्चात् विश्व ने हम पर कई प्रकार के प्रतिबंध लगाए थे। परिणाम क्या हुआ? क्या हमारे देश का कोई काम रूका? क्या देशवासियों को किसी कष्ट का सामना करना पड़ा? कभी नहीं। इराक का क्या हुआ? प्रतिबंध लगने के बाद उसे दाने–दाने के लिए तरसना पड़ा।

i) विश्व में किस देश के पास ऐसी भूमि है जो उसे सब प्रकार से सम्पन्न बना सके?

ii) किसे अवांछिल समझौते करने पड़ते हैं?

iii) भारत ने जब परमाणु परीक्षण किया तो क्या प्रतिक्रिया हुई?

iv) इराक पर प्रतिबंध लगने पर क्या हुआ?

v) किसे कष्टों का सामना नहीं करना पड़ा?

vi) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्र.4) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए – **[6 × 1 = 6]**

पायो जी मैंने राम रतन धन पायौ।
वसतु अमोलक दी मेरे सतगुरु, करि किरपा अपनायौ
जनम जनम की पूँजी पाई, जग में सबै खोवायौ ।।
खरचै नहिं कोई चोर न लेवैं, दिन–दिन बढत सवायौ।
सत की नाँव खेवटिया सतगुरु, भवसागर तरि आयौ।
मीराँ के प्रभु गिरिधर नागर, हरषि हरिष जस गायो

i) मीराँ ने कैसा धन पाया?

ii) सतगुरू ने कैसी वस्तु दी?

iii) सब कुछ खोकर मीराँ ने कैसा धन प्राप्त किया?

iv) मीराँ के धन की क्या विशेषता है?

v) सत की नाँव के खेवटिया कौन हैं?

vi) प्रस्तुत पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

Previous Pathshala

खण्ड – ब

निर्देश – प्रश्न संख्या 5 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 40 शब्द हैं ।

प्र.5) रामचंद्र शुक्ल समवयस्क हिन्दी–प्रेमियों की मण्डली में कौन–कौन थे? [2]

प्र.6) 'काबुली–कायदा' सुनते ही मोदिआइन तमककर खड़ी क्यों हो गई? संवदिया पाठ के आधार पर लिखिए । [2]

प्र.7) 'सरोज स्मृति' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए । [2]

प्र.8) ''कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि, मूदि रहए दु नयन ।'' काव्य पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । [2]

प्र.9) 'जगधर का मन आज खोंचा लेकर गलियों का चक्कर लगाने में न लगा ।'' जगधर के लिए ऐसा क्यों कहा गया? पठित पाठ के आधार पर लिखिए । [2]

प्र.10) अमेरिका की खाउ–उजाड़ू जीवन पद्धति ने दुनिया को कैसे प्रभावित किया है? पठित पाठ के आधार पर लिखिए । [2]

प्र.11) 'प्रतीप' अलंकार को उदाहरण सहित समझाइए । [2]

प्र.12) कविता में बिम्ब और छंद किस प्रकार सहायक होते हैं? [2]

प्र.13) समाचार लेखन में मुखड़े (इंट्रो) को समझाइए । [2]

प्र.14) विशेष लेखन के क्षेत्र में खेल पत्रकारिता की विशेषताएँ लिखिए । [2]

प्र.15) 'भीष्म साहनी' का साहित्यिक परिचय लिखिए । [2]

प्र.16) 'रघुवीर सहाय' का साहित्यिक परिचय लिखिए । [2]

खण्ड – स

निर्देश – निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए ।

प्र.17) विरहिणी नायिका पर 'बारहमासों' का प्रभाव किस प्रकार होता है? लिखिए । **[3]**

अथवा

'देवसेना का गीत' कविता की मूल संवेदना लिखिए ।

प्र.18) 'साझा' कहानी वर्तमान समय में किस वर्ग की स्थिति को स्पष्ट करती है? **[3]**

अथवा

'दूसरा देवदास' कहानी युवामन की संवेदना, भावना और विचार जगत की उथल-पुथल को आकर्षक भाषा शैली में प्रस्तुत करती है । कथन को स्पष्ट कीजिए ।

प्र.19) सूरदास जगधर से अपनी आर्थिक हानि गुप्त क्यों रखना चाहता था? **[4]**

अथवा

''मालवा में विक्रमादित्य और भोज और मुंज रिनेसां के बहुत पहले हो गए ।'' कैसे स्पष्ट कीजिए?

खण्ड – द

प्र.20) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **[5]**

दुरंत जीवन-शक्ति है । कठिन उपदेश है । जीना भी एक कला है । लेकिन कला ही नहीं, तपस्या है । जियो तो प्राण ढाल दो जिंदगी में, मन ढाल दो जीवनरस के उपकरणों में । ठीक है । लेकिन क्यों? क्या जीने के लिए जीना ही बड़ी बात है? सारा संसार अपने मतलब के लिए ही तो जी रहा है । याज्ञवल्क्य बहुत बड़े ब्रह्मवादी ऋषि थे । उन्होंने अपनी पत्नी को विचित्र भाव से समझाने की कोशिश की कि सब कुछ स्वार्थ के लिए है । पुत्र के लिए पुत्र प्रिय नहीं होता, पत्नी के लिए पत्नी प्रिया नहीं होती सब अपने मतलब के लिए प्रिय होते हैं – 'आत्मनस्तु कामाय सर्व प्रियं भवति ।'

अथवा

एक भरे-पूरे ग्रामीण अंचल को कितनी नासमझी और निर्ममता से उजाड़ा जा सकता है, सिंगरौली इसका ज्वलंत उदाहरण है । अगर यह इलाका उजाड़ रेगिस्तान होता तो शायद इतना क्षोभ नहीं होता; किंतु सिंगरौली की भूमि इतनी उर्वरा और जंगल इतने समृद्ध हैं कि उनके सहारे शताब्दियों से हजारों वनवासी और किसान अपना भरण-पोषण करते आए हैं । 1926 से पूर्व यहाँ खैरवार जाति के आदिवासी राजा शासन करते थे, किंतु बाद में सिंगरौली का आधा हिस्सा जिसमें उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के खण्ड शामिल थे, रींवा राज्य के भीतर शामिल कर लिया गया ।

प्र.21) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। [5]

पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढे। नीरज नयन नेह जल बाढ़े ।।
कहब मोर मुनिनाथ निबाहा। एहि तें अधिक कहौं मैं काहा ।।
मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ। अपराधिहु पर कोह न काऊ ।।
मो पर कृपा सनेहु बिसेखी। खेलत खुनिस न कबहुँ देखी ।।
सिसुपन ते परिहरेउँ न संगू। कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगू ।।
मैं प्रभु कृपा रीति जियँ जोही। हरि हूँ खेल जितावहिं मोही ।।

अथवा

यह मधु है – स्वयं काल की मौना का युग–संचय,
यह गोरस–जीवन–कामधेनु का अमृत–पूत पय
यह अंकुर–फोड़ धरा को रवि को तकता निर्भय
यह प्रकृत स्वयंभू, ब्रह्म, अयुतः इसको भी शक्ति को दे दो
यह दीप, अकेला, स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।

प्र.22) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लिखिए। [6]

अ) भगवान राम भारतीय जीवनादर्श

ब) हमारा स्वास्थ्य और भोजन

स) राजस्थान के पर्यटन स्थल

द) मेरा प्रिय कवि सूरदास

⌘⌘⌘

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

Previous Pathshala